कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 241 कानपुर, शनिवार 22 फरवरी 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

पांच दिवसीय बकरी पालन के प्रशिक्षण का हुआ समापन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्राद्योगिक विवि के अधीन संचलित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर देहात में अनुसूचित जाति उप योजना के अन्तर्गत शिक्षित बेरोजगार लोगों ने रोजगार स्थापित करने हेतु पांच दिवसीय बकरी पालन पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें 11 महिला एवं 14 पुरुष मौजूद थे। केंद्र के पशु पालन वैज्ञानिक

डाक्टर शशिकांत ने बकरी का चुनाव ,रखरखाव , बीमारिया एवं उसके उपचार तथा मार्केटिंग की बात बताई। साथ ही प्रतिभागियों को यह भी बताया गया कि बकरी को बियरर चेक की तरह उपयोग किया जाता है। जब चाहे उसको कैश करा सकते हैं जबकि अन्य पशु को बेचने का समय एवं बाजार का इंतजार करना पड़ता है द्य केंद्र के प्रभारी डाश अजय कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र वितरित किए। इस मौके पर डॉक्टर खलील खान ने बताया कि बकरियों का दूध दवा बनाने के काम आता है। प्रशिक्षण का समापन डॉ राजेश राय ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देकर प्रशिक्षण का समापन किया। इस मौके पर डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर निमिषा अवस्थी भगवान शुभम सहित अन्य लोग उपस्थित रहे ।

कानपुर से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सदैव सच के साथ...

समाज का साथी

0 || पृष्ठः 4 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || रविवार || 22 फरवरी 2025

पांच दिवसीय बकरी पालन के प्रशिक्षण का हुआ समापन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्राद्योगिक विवि के अधीन संचलित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर देहात में अनुसूचित जाति उप योजना के अन्तर्गत शिक्षित बेरोजगार लोगों ने रोजगार स्थापित करने हेतु पांच दिवसीय बकरी पालन पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें 11 महिला एवं 14 पुरुष मौजूद थे।

केंद्र के पशु पालन वैज्ञानिक डाक्टर शशिकांत ने बकरी का चुनाव ,रखरखाव , बीमारिया एवं उसके उपचार तथा मार्केटिंग की बात बताई। साथ ही प्रतिभागियों को यह भी बताया गया कि बकरी को बियरर चेक की तरह उपयोग किया जाता है। जब चाहे उसको कैश करा सकते हैं जबकि अन्य पशु को बेचने का समय एवं बाजार का इंतजार करना पड़ता है द्य केंद्र के प्रभारी डाश् अजय कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र वितरित किए। इस मौके पर डॉक्टर खलील खान ने बताया कि बकरियों का दूध दवा बनाने के काम आता है।

मौसम
अधिकतम तापमान 31.c
14.c न्यूनतम तापमान
बाजार
सोना 78.840g
चांदी 91.000kg
सेंसेक्स 81,053.19

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

04 अनेक संदेशों वाला महाकुंभ, संस्कृति से लेकर आर्थिकी तक की दिखी झलक

प्रज्ञा जैसवाल ने दिए सिजलिंग प

वर्ष :11 अंक :06 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ ,शनिवार 22 फरवरी 2025 पृष्ठ : 08

शनिवार 22 फरवरी 2025 | 03

संक्षिप्त समाचार

पांच दिवसीय बकरी पालन के प्रशिक्षण का हुआ समापन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्राद्योगिक विवि के अधीन संचलित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर देहात में अनुसूचित जाति उप योजना के अन्तर्गत शिक्षित बेरोजगार लोगों ने रोजगार स्थापित करने हेतु पांच दिवसीय बकरी पालन पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें 11 महिला एवं 14 पुरुष मौजूद थे। केंद्र के पशु पालन वैज्ञानिक डाक्टर शशिकांत ने बकरी का चुनाव ,रखरखाव , बीमारिया एवं उसके उपचार तथा मार्केटिंग की बात बताई। साथ ही प्रतिभागियों को यह भी बताया

गया कि बकरी को बियरर चेक की तरह उपयोग किया जाता है। जब चाहे उसको कैश करा सकते हैं जबकि अन्य पशु को बेचने का समय एवं बाजार का इंतजार करना पड़ता है केंद्र के प्रभारी डाङ्ग अजय कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र वितरित किए। इस मौके पर डॉक्टर खलील खान ने बताया कि बकरियों का दूध दवा बनाने के काम आता है। प्रशिक्षण का समापन डॉ राजेश राय ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देकर प्रशिक्षण का समापन किया। इस मौके पर डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर निमिषा अवस्थी, भगवान, शुभम सहित अन्य लोग उपस्थित रहे

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
वर्षः 15 अंक :33 कानपुर, शनिवार 22 फरवरी 2025 RNI UPHIN/2010/47220

पांच दिवसीय बकरी पालन के प्रशिक्षण का हुआ समापन

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवम प्राद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचलित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर देहात में अनुसूचित जाति उप योजना के अन्तर्गत शिक्षित बेरोजगार लोगों ने रोजगार स्थापित करने हेतु पांच दिवसीय बकरी पालन पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें 11 महिला एवं 14 पुरुष मौजूद थे। केंद्र के पशु पालन वैज्ञानिक डाक्टर शशिकांत ने बकरी का चुनाव ,रखरखाव , बीमारिया एवं उसके उपचार तथा मार्केटिंग की बात बताई। साथ ही प्रतिभागियों को यह भी बताया गया कि बकरी को बियरर चेक की तरह उपयोग किया जाता है। जब चाहे उसको कैश करा सकते हैं जबकि अन्य पशु को बेचने का समय एवं बाजार का इंतजार करना पड़ता है द्य केंद्र के प्रभारी डाश अजय कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र वितरित किए। इस मौके पर डॉक्टर खलील खान ने बताया कि बकरियों का दूध दवा बनाने के काम आता है। प्रशिक्षण का समापन डॉ राजेश राय ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देकर प्रशिक्षण का समापन किया। इस मौके पर डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर निमिषा अवस्थी,भगवान, शुभम सहित अन्य लोग उपस्थित रहे